महाभारत भारतीय संस्कृति की प्रतीक : शशि थरूर

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित साहित्योत्सव के पांचवें दिन का मुख्य आकर्षण शशि थरूर का व्याख्यान रहा। शशि थरूर के व्याख्यान का विषय द ग्रेट इंडियन नॉवल था। इसमें उन्होंने महाभारत की व्यापकता को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, इसमें हमारी पूरी विरासत समाई हुई है। इस पुस्तक में ऐसे असंख्य रूपक हैं जो हमारी वर्तमान परिस्थिति की हर दशा को प्रतिबिंबित करते हैं। मैं महाभारत को आम लोगों का महाभारत मानता हूं।

उन्होंने महाभारत के रूपांतरण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाभारत मेरे लिए एक धर्मनिरपेक्ष ग्रंथ है। मैं इसके द्वारा भारत के ज्ञान और धर्म की परिभाषा का पुनर्निरीक्षण करना चाहता हूँ।

मीडिया और साहित्य विषय पर आयोजित परिचर्चा के उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र राव ने कहा कि साहित्य और मीडिया के बीच दूरी ज़रूर बढ़ी है, लेकिन दोनों का महत्व कम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के कारण अब आम आदमी भी पत्रकार की भूमिका में है और अपने आस-पास जरा भी कुछ ग़लत होते देख तुरंत सक्रिय हो जाता है। आकाशवाणी के महानिदेशक एन. वेणुधर रेड्डी ने कहा कि साहित्य और मीडिया एक ही सिक्के दो पहलू हैं।